web site

D-33
27/4/22

कुल सचिव कार्यालय
संख्या 196
तिथि 27/04/22
लखनऊ विश्वविद्यालय
लखनऊ-226007

ई–मेल/समयबद्ध/अनुस्मारक
संख्या–901/सत्तर–4–2022

प्रेषक,

मनोज कुमार,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1.कुलपति, समस्त राज्य विश्वविद्यालय, उ0प्र0।
2.निदेशक, उच्च शिक्षा, उ0प्र0, प्रयागराज।

उच्च शिक्षा अनुभाग–4 लखनऊ : दिनांक 26 अप्रैल, 2022

विषयः वित्तीय वर्ष 2022–23 में रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट योजना के लिए अनुदान अवमुक्त किए जाने हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासन के पत्र संख्या–747/सत्तर–4–2022, दिनांक 06.04.2022 एवं पत्र संख्या–570/सत्तर–4–2022, दिनांक 23.03.2022 का कृपया संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके माध्यम से वित्तीय वर्ष 2022–23 में प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों/अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों व राज्य विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के लिए रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट योजनान्तर्गत अनुदान अवमुक्त किए जाने हेतु इस योजना के दिशा–निर्देशों के अनुसार सुसंगत प्रस्ताव तैयार कराकर दिनांक 31.05.2022 तक शासन को उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया था।

2– केन्द्रीय बजट 2022–23 में मा0 केन्द्रीय वित्त मंत्री जी द्वारा यह उद्घोषित किया गया है कि रक्षा और विकास कार्य उद्दिष्ट रक्षा अनुसंधान और विकास बजट के 25 प्रतिशत के साथ उद्योगों, स्टार्ट–अप और शिक्षा जगत के लिए खोला जाएगा। निजी उद्योगों को SPV मॉडल से DRDO और अन्य संगठनों के सहयोग से सैन्य प्लेटफार्म और उपकरणों के डिजाइन और विकास निष्पादित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

3– केन्द्रीय बजट में यह भी घोषणा की गई है कि Sunrise Opportunities के अन्तर्गत अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा दिया जाएगा। इन उदीयमान अवसरों में अनुसंधान एवं विकास कार्य के लिए, शिक्षा जगत, उद्योग और सार्वजनिक संस्थाओं के बीच सहयोग के प्रयासों के बीच सरकारी अंशदान प्रदान किया जाएगा।

4– इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि विशेष रूप से उक्त दोनों क्षेत्रों के दृष्टिगत रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट योजना के दिशा–निर्देशों के अनुसार सुसंगत प्रस्ताव तैयार कराकर शासन को अतिशीघ्र उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

O.S.(Prof.)

26.4.2022

HE4 2022 R&D पत्रसेवन

P.T.O

5– इसके साथ ही कुलसचिव, संबंधित राज्य विश्वविद्यालय, उ0प्र0 एवं निदेशक, उच्च शिक्षा, उ0प्र0, प्रयागराज द्वारा प्रेषित प्रस्तावों के संबंध में इस आशय का प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जायेगा कि संबंधित प्रस्ताव नियमित विभागों से ही संबंधित हैं।

संलग्नक: यथोक्त।

भवदीय,

(मनोज कुमार)

विशेष सचिव

संख्या एवं तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. कुलसचिव, समस्त राज्य विश्वविद्यालय, उ0प्र0।
2. समस्त क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, उ0प्र0।

22/04/2022

आज्ञा से,

(सर्वेश कुमार सिंह)

संयुक्त सचिव।

पत्रांक PJ/7361-70 दिनांक 28/04/2022

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1–निजी सचिव कुलपति, मा0 कुलपति जी के सूचनार्थ।
2–अधिष्ठाता, शोध, ल0वि0वि0।
3–समस्त संकायाध्यक्ष / विभागाध्यक्ष / निदेशक / समन्वयक, ल0वि0वि0।
4–निदेशक, नवीन परिसर, ल0वि0वि0।
5–वित्त अधिकारी, ल0वि0वि0, लखनऊ।
6–इंचार्ज वेबसाइट को इस आशय से प्रेषित कि उक्त सूचना समस्त को ईमेल के माध्यम से प्रेषित करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(डॉ0 विनोद कुमार सिंह)

कुलसचिव

28/04/2022

HE4 2022 R&D पत्रलेखन

ई-मेल/समयबद्ध

संख्या- 7 प्प /सत्तर-4-2022

प्रेषक,

सर्वेश कुमार सिंह,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1-निदेशक, उच्च शिक्षा, उ0प्र0, प्रयागराज।
2-कुलसचिव/वित्त अधिकारी, समस्त राज्य विश्वविद्यालय, उ0प्र0।

उच्च शिक्षा अनुभाग-4 लखनऊः दिनांक 06 अप्रैल, 2022

विषयः- वित्तीय वर्ष 2022-23 में रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट योजना के लिए अनुदान अवमुक्त किए जाने हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 के आय-व्ययक में प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों/अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों व राज्य विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के लिए रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट योजनान्तर्गत अनुदान अवमुक्त किए जाने हेतु रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार सुसंगत प्रस्ताव तैयार कराकर तथा यदि सम्बन्धित मद में पूर्व वर्षों में कोई अनुदान दिया गया है तो उसके उपयोगिता प्रमाण-पत्र के साथ प्रस्ताव निर्धारित समयसीमा दिनांक 31.05.2022 तक शासन को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

भवदीय

(सर्वेश कुमार सिंह)
संयुक्त सचिव

संख्या एवं दिनांक तदैव

प्रतिलिपि समस्त क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, उ0प्र0 को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

आज्ञा से,

(सर्वेश कुमार सिंह)
संयुक्त सचिव

HE 4 2022पत्रांक 20- S.G

ई-मेल / महत्वपूर्ण
संख्या- 570 / सत्तर-4-2022

प्रेषक,

मोनिका एस0 गर्ग,
अपर मुख्य सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1. कुलपति, समस्त राज्य विश्वविद्यालय, उ0प्र0।
2. निदेशक, उच्च शिक्षा, उ0प्र0, प्रयागराज।

उच्च शिक्षा अनुभाग-4 लखनऊ : दिनांक 23 मार्च, 2022

विषयः-केन्द्रीय बजट-2022-23 में चिन्हित क्षेत्रों में शोध एवं अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के संबंध में-**Defence Studies and Sunrise Opportunities.**

महोदय,

उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि मा0 केन्द्रीय वित्त मंत्री जी के वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट भाषण में उद्घोषित किया गया है कि रक्षा और विकास कार्य उद्दिष्ट रक्षा अनुसंधान और विकास बजट के 25 प्रतिशत के साथ उद्योगों, स्टार्ट-अप और शिक्षा जगत के लिए खोला जाएगा। निजी उद्योगों को SPV मॉडल से DRDO और अन्य संगठनों के सहयोग से सैन्य प्लेटफार्म और उपकरणों के डिजाइन और विकास निष्पादित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

2- उक्त परिप्रेक्ष्य में अवगत कराना है कि औद्योगिक विकास विभाग द्वारा IIT, कानपुर तथा IIT-BHU में रक्षा अध्ययन एवं अनुसंधान हेतु सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स स्थापित किए गए हैं।

3- जिन राज्य विश्वविद्यालयों में रक्षा एवं अनुसंधान के पाठ्यकम संचालित है, उनकी सूची संलग्न है। अपेक्षा है कि इन पाठ्यकमों को DRDO एवं उक्त दोनो Centre of Excellence के सहयोग से पुनरीक्षित कर अद्यतन कर लिया जाए। राज्य विश्वविद्यालय B.Tech स्तर पर रक्षा उद्योग से सम्बन्धित elective courses तथा M.Tech स्तर पर रक्षा तकनीकी में specialization courses संचालित करने पर विचार कर सकते हैं और भविष्य में रक्षा अध्ययन व रक्षा तकनीक से संबंधित Integrated Program तथा Certificate Course भी संचालित किये जा सकते हैं।

4- रक्षा अनुसंधान एवं शोध कार्यों हेतु राज्य विश्वविद्यालयों द्वारा DRDO एवं उक्त दोनों सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स से समन्वय स्थापित किया जाना अपेक्षित है।

5- केन्द्रीय बजट में यह भी घोषणा की गई है कि Sunrise Opportunities के अंतर्गत अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा दिया जाएगा। इन उदीयमान अवसरों में अनुसंधान एवं विकास कार्य के लिए, शिक्षा जगत, उद्योग और सार्वजनिक संस्थाओं के बीच सहयोग के प्रयासों के बीच सरकारी अंशदान प्रदान किया जाएगा।

6– उदीयमान अवसरों (Sunrise Opportunities) यथा Artificial Intelligence, Geospatial Systems and Drones, Semiconductor and Its Eco-system, Space Economy, Genomics and Pharmaceuticals, Green Energy and Clean Mobility System के क्षेत्रों में विश्वविद्यालय सामयिक एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रम संचालित कर सकते हैं। साथ ही औद्योगिक प्रतिष्ठानों के सहयोग से शोध एवं अनुसंधान कार्यों पर विशेष बल दिया जाना चाहिए।

7– औद्योगिक विकास विभाग द्वारा IIT, कानपुर के नोएडा कैम्पस में AI का सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स स्थापित किया गया है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा लखनऊ एवं मेरठ स्थित राज्य विश्वविद्यालयों में AI का सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स विकसित करने हेतु सहयोग किया जा रहा है। विश्वविद्यालयों द्वारा इन सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स से समन्वय स्थापित करके पाठ्यक्रम विकास एवं अनुसंधान के कार्य किये जाने उचित होंगे।

8– उक्त दोनों क्षेत्रों में विश्वविद्यालय द्वारा किए जाने वाले कार्यों पर विद्या परिषद्/कार्यपरिषद् में विस्तृत चर्चा करके समुचित कार्यवाही करें तथा रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट योजनान्तर्गत प्रस्ताव अतिशीघ्र भेजने का कष्ट करें।

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीया,

(मोनिका एस० गर्ग)
अपर मुख्य सचिव,

संख्या–570(1)/सत्तर–4–2022, तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. कुलसचिव, समस्त राज्य विश्वविद्यालय, उ०प्र०।
2. कुलपति, निजी विश्वविद्यालय, उ०प्र०।
3. समस्त क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, उ०प्र०।
4. अपर सचिव, उ०प्र० राज्य उच्च शिक्षा परिषद्, लखनऊ एवं संयुक्त सचिव, उच्च शिक्षा अनुभाग–4 को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि प्रदेश के शिक्षकों हेतु शोध एवं अनुसंधान नीति में इन क्षेत्रों में शोध कार्य को प्राथमिकता दी जायेगी।

आज्ञा से,

(अनोज कुमार)
विशेष सचिव,